विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 16-05-2021

वर्ग- सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

तृतीयः पाठः

लङ्लकार (मध्यमः पुरूषः)

शब्दार्थ याद कीजिए।

संस्कृत	हिन्दी	संस्कृत	हिन्दी
सदुपयोगम्	अच्छा उपयोग	निर्धनाय	गरीब के लिए
चित्रागारम्	सिनेमाघर	प्रतिभागी	प्रतियोगी
जीर्णानि	फटे - पुराने	भिक्षुकः	भिखारी
पुरस्काराम्	इनाम	बुभुक्षितः	भूखा
तृ	तैरना	गै	गाना
तूष्णीम्	चुपचाप	परम्	लेकिन

ह्यः	कल (बीता हुआ)	यतः	क्योंकि

जिस व्यक्ति से हम बात कर रहे हैं, वह मध्यमः पुरूष होता है। 'त्वम्', 'युवाम्' और 'यायम्' मध्यमः पुरूष के कर्ता हैं। मध्यम पुरूष के कर्ता का प्रयोग स्त्रीलिंग और पुल्लिंग दोनों के लिए किया जाता है। लङ् लकार मध्यम पुरूष के प्रत्यय क्रमशः इस प्रकार हैं

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अ + धातु + अः अ + पठ् + अः = अपठः	अ + धातु + अतम् अ + पठ् + अतम् = अपठतम्	अ + धातु + अत अ + पठ् + अतः = अपठत
त्वम् अपठः। (तुमने पढ़ा।)	युवाम् अपठतम्। (तुम दोनों ने पढ़ा।)	यूयम् अपठत। (तुम सबने पढ़ा।)